


---

Shankara Stuti by Devas

——  
देवैःकृता शङ्करस्तुतिः

——  
Document Information



---

Text title : Shankara Stuti by Devas

File name : shankarastutiHdevaiHKRRitA.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | bhargAkhyaH panchamAMshaH | adhyAyaH 5 | 108-112||

Latest update : June 18, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 18, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



देवैःकृता शङ्करस्तुतिः



हर हर मुरहरपूजितपाद प्रहर महाघगिरि कटाक्षवज्रैः ।  
शमय शमनजातभीतिदुःखं छेदय पाशमयं भवैकजालम् ॥ १ ॥

त्रिपुरदहन दक्षध्वंसनाक्षिप्रकोणोत्थितशिखिविशिखाग्रैर्दग्धमार प्रसीद ।  
शिव शिव शिव शम्भो चन्द्रमौले कपर्दिन् ॥ २ ॥

विश्वाधिक त्रिनयन त्रिपुरान्तकारे त्रय्यन्तवेद्य त्रिदशाद्य त्रिकाग्रिकाल ।  
श्रीमत्त्रियम्बक त्रिलोकविलासशील लीलाकृताङ्ग त्रिगुणात्मक पाहि शम्भो ॥ ३ ॥

भावग्राह्यस्त्वमसि भगवन् जिह्मभावैर्न लभ्यः  
त्वत्तो जातं भुवनमखिलं नामरूपैर्विचित्रम् ।  
सर्व रुद्र त्वमसि भगवन् वेदवाक्यैकगम्यो  
ब्रह्मण्यश्च प्रभवसि विभो ब्राह्मणार्च्यं पदं ते ॥ ४ ॥

मूकास्त्वद्गुणवर्णने भवशतेष्वद्वैतवार्तालसाः  
कामान्धाः सततं सदा शिवकथां श्रोतुं तथा दुःश्रवाः ।  
त्वद्भयाने जडबुद्धयो हि सततं त्वत्पादपूजाविधौ  
छिन्नाङ्घ्राशयकाः सदा शरणतः सङ्गहीणाः प्रहीणाः ॥ ५ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते देवैःकृता शङ्करस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । भर्गारव्यः पञ्चमांशः । अध्यायः ५ । १०८-११२ ॥

- .. shrIshivarahasyam . bhargAkhyah panchamAMshaH . adhyAyaH 5. 108-112..


Notes:

The shlokas have been renumbered for readers' convenience.

Proofread by Ruma Dewan

——  
*Shankara Stuti by Devas*

pdf was typeset on June 18, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

